

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

सावन के पहले सोमवार पर गौरी शंकर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

Sanket Morankar

Published on 03 Aug 2026



सनातन परंपरा में भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास का पहला सोमवार देशभर में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक **गौरी शंकर मंदिर** में तड़के सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। भक्तों ने हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, सफलता तथा देश की शांति एवं समृद्धि की कामना की।

सावन का महीना हिंदू धर्म में भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इस पूरे महीने श्रद्धापूर्वक भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने, जलाभिषेक करने तथा व्रत रखने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं। विशेष रूप से सावन के प्रत्येक सोमवार का धार्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना गया है। यही कारण है कि पहले सोमवार को देशभर के शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

दिल्ली स्थित गौरी शंकर मंदिर में श्रद्धालुओं का आगमन देर रात से ही शुरू हो गया था। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के कपाट खुलते ही भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा, भांग और विभिन्न पूजन सामग्रियों से किया। मंदिर परिसर में पूरे दिन वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक और शिव भजनों की मधुर ध्वनि गूंजती रही, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं। दर्शन के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं ताकि भीड़ को व्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया जा सके। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रवेश व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई। मंदिर परिसर में पीने के पानी, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था और स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

श्रद्धालुओं में इस अवसर को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कई भक्त परिवार सहित मंदिर पहुंचे, जबकि बड़ी संख्या में युवाओं ने भी भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कुछ श्रद्धालु दूर-दराज के राज्यों से भी दिल्ली पहुंचकर गौरी शंकर मंदिर में जलाभिषेक करने आए। भक्तों का कहना था कि सावन के पहले सोमवार पर भगवान शिव के दर्शन का विशेष पुण्य प्राप्त होता है और इस दिन की गई पूजा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

इस अवसर पर कांवड़ यात्रियों की भी विशेष उपस्थिति रही। हरिद्वार, गंगोत्री और अन्य पवित्र स्थलों से गंगाजल लेकर आए शिवभक्तों ने गौरी शंकर मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। भगवा वस्त्र धारण किए कांवड़ियों के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। मार्गों पर जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा जल, शरबत, फल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई।

दिल्ली पुलिस और प्रशासन ने सावन के पहले सोमवार को देखते हुए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी की गई तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग की गई और आपातकालीन सेवाओं को भी सतर्क रखा गया।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार सावन का महीना केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मसंयम, सेवा, सात्विक जीवनशैली और आध्यात्मिक उन्नति का भी प्रतीक है। इस माह में शिवलिंग पर जल अर्पित करना, महामृत्युंजय मंत्र एवं “ॐ नमः शिवाय” का जाप करना तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करना विशेष पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा और भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होकर उन्हें सुख, समृद्धि और मानसिक शांति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

गौरी शंकर मंदिर दिल्ली की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। सावन के महीने में यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। विशेषकर सोमवार के दिन मंदिर परिसर में भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। मंदिर में नियमित रूप से रुद्राभिषेक, शिव आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

इस वर्ष सावन के पहले सोमवार पर देशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर, देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम, सोमनाथ, ओंकारेश्वर और केदारनाथ सहित अनेक ज्योतिर्लिंगों एवं प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मंगलकामनाएं कीं। सोशल मीडिया पर भी श्रद्धालुओं ने “हर हर महादेव” और “ॐ नमः शिवाय” के जयघोष के साथ अपनी आस्था साझा की।

सावन के पहले सोमवार का यह पर्व एक बार फिर भारतीय संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक परंपरा की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है। भगवान शिव के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट भक्ति, मंदिरों में उमड़ी भीड़ और पूरे देश में दिखाई दिया धार्मिक उत्साह इस बात का प्रमाण है कि सनातन परंपरा आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से की गई शिव आराधना जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त करती है।